विश्व मलेरिया प्रतिवेदन

द हिन्दू, (28 Jan.)

संदर्भ

- विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रकाशित 2018 के विश्व मलेरिया प्रतिवेदन के अनुसार मलेरिया से सर्वाधिक ग्रस्त 11 देशों में भारत ही एक ऐसा देश है जहाँ मलेरिया के मामलों में अच्छी-खासी कमी आई है।
- वर्ष 2016 की तुलना में 2017 में मलेरिया के मामले 24% कम हुए है।
- इसका अर्थ यह हुआ कि मलेरिया को समाप्त करने के वैश्विक प्रयासों का नेतृत्व अब भारत के हाथ में आ गया है।
- भारत से प्रेरणा लेकर अन्य देश मलेरिया से निपटने की प्रेरणा ले सकते हैं।

किये गये प्रयास

- भारत को मलेरिया हटाने में सफलता इसलिए मिल रही है कि एक ओर जहाँ वह विश्व-भर में अपनाई गई रणनीतियों के अनुरूप चल रहा है तो दूसरी ओर अपना स्वदेशी मलेरिया-विरोधी कार्यक्रम भी चला रहा है।
- 2015 में पूर्व एशिया शिखर सम्मलेन में 2030 तक मलेरिया समाप्त करने का वचन देने के उपरान्त भारत ने इसके लिए एक पंचवर्षीय राष्ट्रीय रणनीतिक योजना का अनावरण किया था।
- इसमें मलेरिया को नियंत्रित करने के स्थान पर उसे समाप्त करने पर बल दिया गया था। इस योजना का उद्देश्य है कि भारत के 678 जिलों में से 571 जिलों में 2022 तक मलेरिया का उन्मूलन कर दिया जाए। इस योजना में 10,000 करोड़ रू. का खर्च है।
- ओडिशा राज्य एक मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम चला रहा है जिसका नाम दुर्गम अंचलेर मलेरिया निराकरण (DAMaN) रखा गया है।

उपचारात्मक याचिका (curative petition)

लाइव मिंट, बिजनेस स्टैण्डर्ड, द हिन्दू, (28 Jan.)

संदर्भ

- हाल ही में भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक उपचारात्मक याचिका (curative petition) दायर की है।
- इसमें माँग की गई है कि यूनियन कार्बाइड कारपोरेशन के वर्तमान स्वामी कम्पनी Dow Chemicals से 1984 के भोपाल गैस कांड के शिकार लोगों को क्षतिपूर्ति देने के लिए 7,844 करोड़ रू. अतिरिक्त राशि दिलाई जाए।

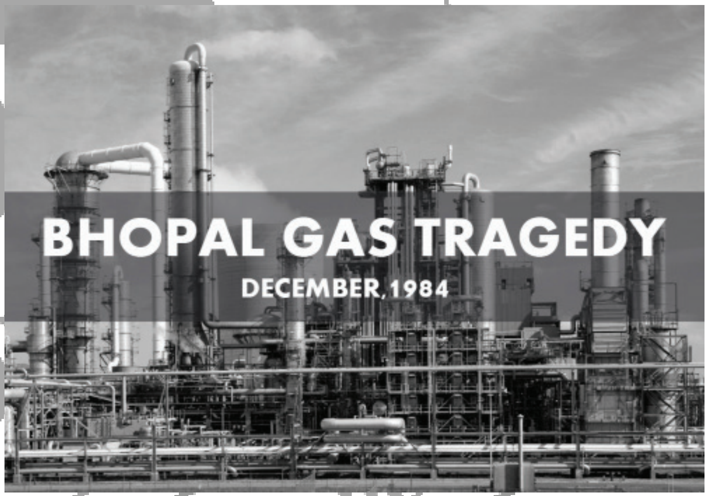

भोपाल गैस कांड क्या है?

- दिसम्बर 2 और 3, 1984 की रात में भोपाल में स्थित कीटनाशक संयंत्र से विषैला गैस रिसने लगा था जिससे तत्काल 3,500 लोग प्राणों से हाथ धो बैठे।
- आगे चलकर, हजारों लोग इस गैस से दुष्प्रभावित होकर मरते रहे। हजारों का अंग-भंग हो गया और गैस के प्रभाव से गंभीर बीमारियाँ भी हुई।
- गैस का रिसाव जल के एक पाइप से हुआ था जिसके चलते पानी मिथाइल आइसो-साइनाइड (MIC) के टैंक में चला गया।
- उस संयोग से रेफ्रीजरेशन प्रणाली काम नहीं कर रही थी, इस कारण पानी में आया रसायन जल में प्रतिक्रिया करने लगा।
- इससे उत्पन्न प्रतिक्रिया के कारण गर्मी उत्पन्न हुई जिससे गैस की मात्रा बढ़ गयी और फोसजीन, कार्बन मोनोऑक्साइड और MIC के बादल निकलने लगे।
- यह सब इतनी तेजी से हुआ कि पूरे शहर में यह बादल फैल गया और भोपाल के पाँच लाख निवासियों पर संकट आ गया।

उपचारात्मक याचिका क्या है?

- उपचारात्मक याचिका दायर करना वह अंतिम न्यायिक उपाय है जिसका कोई व्यक्ति सहारा ले सकता है।
- यह उपाय तब लगाया जाता है तब किसी व्यक्ति को सर्वोच्च न्यायालय भी वास्तविक न्याय नहीं मिला हो और उस व्यक्ति को यह लगता हो कि सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम निर्णय में न्यायालय से कोई चूक हुई है।
- यह उपचार अति विरल मामलों में ही उपलब्ध होता है।
- इसमें जज द्वारा चैम्बर के अंदर बैठकर परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लिया जाता है। यदि यह याचिका भी खारिज कर दी जाती है तब दोषी के पास राष्ट्रपति के पास क्षमादान याचिका दायर करने का अंतिम विकल्प बचता है।

समीक्षा की शक्ति

- संविधान के अनुच्छेद 137 में यह प्रावधान है कि संसद द्वारा बनाई गई किसी विधि के या अनुच्छेद 145 के अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए, सर्वोच्च न्यायालय को अपने द्वारा सुनाए गए निर्णय या दिए गए आदेश का पुनर्विलोकन करने की शक्ति होती है।

अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम- 2021

टाइम्स ऑफ इंडिया, बिजनेस स्टैण्डर्ड, (28 Jan.)

संदर्भ

- हाल ही में भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय ने आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD) के साथ एक समझौता किया है।
- इसके अनुसार भारत अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम - 2021 (Programme for International Student Assessment – PISA) में प्रतिभागिता करेगा।

महत्व

- इसमें भारत की प्रतिभागिता होने से यहाँ के छात्रों को मान्यता और स्वीकार्यता मिलने लगेगी और वे 21वीं शताब्दी की वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए तैयार हो सकेंगे।

PISA
2021

पृष्ठभूमि

- भारत ने PISA 2009 ई. में भाग लिया था लेकिन इसमें भागीदारी करने वाले 74 देशों में इसका स्थान 72वाँ आया था।
- तत्कालीन भारत सरकार का विचार था कि इसमें संदर्भ से हटकर प्रश्न पूछे गये थे जिसके कारण भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इसलिए सरकार ने PISA का बहिष्कार कर दिया था।
- 2016 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने बहिष्कार के निर्णय पर पुनर्विचार किया और इसके लिए एक समिति गठित की।
- समिति ने सुझाव दिया कि 2018 में होने वाले पीसा में भारत को सम्मिलित होना चाहिए परन्तु तब तक इसके निमित्त आवेदन देने की तिथि पार हो चुकी थी, इसलिए 2018 के पीसा में भारत नहीं जा पाया।

क्या है?

- यह छात्रों का एक मूल्यांकन कार्यक्रम है जिसमें 15 वर्ष के बच्चों की पढ़ने, गणित हल करने और विज्ञान की जानकारी परीक्षा हर तीसरे वर्ष ली जाती है।
- सबसे पहली बार PISA 2000 ई. में आयोजित हुई थी।
- मूल्यांकन परीक्षा में अलग-अलग चक्रों में कभी पढ़ने की क्षमता, कभी गणित हल करने की क्षमता तो कभी विज्ञान की समझ की क्षमता पर मुख्य बल दिया जाता है।
- इसमें मिल-जुलकर समस्या के हल की क्षमता को भी शामिल किया जाता है।

- इसकी रूपरेखा ऐसी बनाई गई है कि उन छात्रों की क्षमता की जाँच हो सके जो स्कूल की पढ़ाई लगभग पूरी करने के कगार पर हैं।
- पीसा का समन्वयन औद्योगिकृत देशों के एक अंतर-सरकारी संगठन द्वारा किया जाता है और इसका संचालन अमेरिका में राष्ट्रीय शिक्षा सांख्यिकी केंद्र (NCES) द्वारा किया जाता है।
- 2012 के परीक्षा में चीन के शंघाई नगर के स्कूल शीर्ष पर रहे और उसके ठीक पीछे सिंगापुर का स्थान था।
- 2015 की परीक्षा में शीर्ष पर सिंगापुर, जापान और एस्टोनिया के शहर रहे।

सुपर बग जीन

द हिन्दू, (28 Jan.)

संदर्भ

- हाल ही में दस वर्ष पहले दिल्ली के पानी में खोजा गया सुपर बग जीन, जिसे नई दिल्ली मैटलो-बीटा-लैक्टामेज-1 (New Delhi Metallo-beta-lactamase-1) भी कहते हैं, अब वैज्ञानिकों को स्वालबार्ड द्वीपसमूह में मिला है जो नॉर्वे की मुख्य भूमि और उत्तरी ध्रुव के बीच में स्थित है।
- चिंताजनक बात यह है कि कई दवाओं के प्रति रोधकता रखने वाला सुपर बग बैक्टीरिया अब पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में पहुँच गया है जिसे "प्रिस्टीन क्षेत्र" माना जाता है, अर्थात ऐसा क्षेत्र जहाँ अभी तक बदलाव नहीं हुआ हो।
- यह बैक्टीरिया आर्कटिक मिट्टी में पाया गया जहाँ यह पशुओं और मनुष्यों की आँत के माध्यम से पहुँचा होगा।
- यहाँ बैक्टीरिया लाने वाले मनुष्य वे यात्री होंगे जो यहाँ आये अथवा चिड़ियाँ या वन्य जीव होंगे जिनकी विष्ठा के कारण यह बैक्टीरिया यहाँ की मिट्टी तक पहुँच गया होगा।

सुपर बग क्या होता है?

- सुपर बग एक ऐसा बैक्टीरिया है जो कई औषधियों के प्रति रोधकता रखता है और जिसमें कई प्रतिरोधी जीन होते हैं। एक या एक से अधिक एंटी-बायोटिक के प्रयोग के बाद भी सुपर बग जीवित रह जाता है।

चिंतित होने का कारण हैं?

- सुपर बग बैक्टीरिया पहले से अधिक शक्तिशाली और व्यापक हो गये हैं।
- विशेषज्ञों का कहना है कि वह दिन शीघ्र आने वाला है जब ऐसे संक्रमणों का हमें सामना करना पड़ेगा जो जानलेवा और असाध्य होंगे। एंटी-बायोटिक के प्रति रोधकता ऐसी वस्तु है जो अपेक्षाकृत आसानी से एक बैक्टीरिया से दूसरे बैक्टेरिया में पहुँच जाता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन को आशंका है कि भविष्य में कई ऐसे सुपर बग पैदा हो सकते हैं। रोधकता के चलते पहले ही यक्ष्मा, सुजाक और निमोनिया जैसे संक्रमणों को साधारण एंटी-बायोटिक से उपचार करना दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है।

निदान

- विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि स्थिति को सुधारने के लिए हमें एंटी-बायोटिक का प्रयोग घटाना होगा।
- यदि कोई रोगी एंटी-बायोटिक लेता है तो उसे चाहिए कि वह उसका पूरा कोर्स ले जिससे संक्रमण करने वाला एक-एक बैक्टीरिया मर जाए।
- यदि एक भी बैक्टीरिया जिन्दा रह जाए तो वह अपने आप में रूपांतरण करके अनेक बैक्टीरिया पैदा करेगा। यही नियम पशुओं के उपचार में भी लागू करना चाहिए।

कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (NAHEP)

टाइम्स ऑफ इंडिया, (28 Jan.)

संदर्भ

- हाल ही में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (Indian Council of Agricultural Research – ICAR) ने राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (NAHEP) नामक 1,100 करोड़ की एक परियोजना का अनावरण किया है।

योजना के मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य :** इसका उद्देश्य देश में उच्चतर कृषि शिक्षा को सुदृढ़ बनाना और प्रतिभाओं को आकृष्ट करना है।

- **निधि :** इस योजना के लिए विश्व बैंक और भारत सरकार 50:50 के अनुपात में निधि मुहैया करेंगे।
- **लक्ष्य :** इस योजना का लक्ष्य कृषि विद्यालयों और ICAR को कृषि विद्यालयों के छात्रों को अधिक प्रासंगिक और उच्चतर गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने में सहयोग देना है।
- इसके अतिरिक्त सरकार ने कृषि, बागवानी, मत्स्यपालन और वानिकी के लिए चार वर्षों वाली डिग्री को एक व्यावसायिक डिग्री की मान्यता दे दी है।

वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन (WSA)

इकोनॉमिक टाइम्स, (28 Jan.)

संदर्भ

- हाल ही में वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन (WSA) द्वारा जारी एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक देश बन गया है।

- भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए यह रैंक हासिल किया है।
- वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार स्टील उत्पादन में चीन पहले स्थान पर है और वैश्विक स्तर पर कुल स्टील उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी 51 प्रतिशत है।
- वर्ष 2018 में चीन का रॉ स्टील का उत्पादन 6.6 प्रतिशत बढ़कर 92.83 करोड़ टन पर पहुंच गया।
- वर्ष 2017 में यह 87.09 करोड़ टन था। ग्लोबल स्टील उत्पादन में चीन की हिस्सेदारी 50.3 फीसदी से बढ़कर 51.3 फीसदी हो गई है।

भारत के संदर्भ में रिपोर्ट

- वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का कच्चे स्टील का उत्पादन वर्ष 2018 में 4.9 प्रतिशत बढ़कर 10.65 करोड़ टन रहा, जो कि वर्ष 2017 में 10.15 करोड़ टन था।
- इस अवधि में जापान का उत्पादन 0.3 प्रतिशत घटकर 10.43 करोड़ टन रह गया है।
- एन आंकड़ों के अनुसार भारत ने स्टील उत्पादन में जापान को पीछे छोड़ दिया है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2018 में ग्लोबल स्टील उत्पादन 4.6 प्रतिशत बढ़कर 180.86 करोड़ टन रहा, जबकि वर्ष 2017 में यह आंकड़ा 172.98 करोड़ टन था।

टॉप 10 स्टील उत्पादक देशों की सूची (मिलियन टन में)

- चीन (928.3), भारत (106.5), जापान (104.3), अमेरिका (86.7), द. कोरिया (72.5), रूस (71.7), जर्मनी (42.4), तुर्की (37.3), ब्राजील (34.7), ईरान (25).

वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन

- स्टील उत्पादन पर रिपोर्ट जारी करने वाली संस्था वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन दुनियाभर की स्टील कंपनियों, राष्ट्रीय-क्षेत्रीय संगठनों और स्टील रिसर्च संस्थानों का संघ है।
- इसमें 160 स्टील उत्पादक शामिल हैं।
- इसके सदस्य देश दुनिया की 85% स्टील का उत्पादन करते हैं।

संबंधित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-**
   1. ओडिशा सरकार द्वारा मलेरिया उन्मूलन के लिए दुर्गम अंचलेर मलेरिया निराकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है।
   2. भारत में मलेरिया उन्मूलन के लिए 2030 तक लक्ष्य रखा गया है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

2. 'उपचारात्मक याचिका' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इस योचिका को अंतिम न्यायिक उपाय कहा जाता है, जिसका कोई भी व्यक्ति सहारा ले सकता है।
2. यह उपचार केवल अति विरल मामलों में उपलब्ध होता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

3. अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इस कार्यक्रम में 15 वर्ष के बच्चों के पढ़ने, गणित हल करने और विज्ञान की जानकारी से संबंधित परीक्षा ली जाती है।
2. इसका आयोजन प्रत्येक तीसरे वर्ष किया जाता है।
3. सर्वप्रथम इसका आयोजन 2000ई. में किया गया था।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. 2021 में भारत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम में भागीदारी की जाएगी।
2. भारत ने अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्याकंन कार्यक्रम-2009 में भाग लिया था, जिसमें 74 देशों में इसे 72वां स्थान प्राप्त हुआ था।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

5. 'सुपर बग जीन' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह एक औषधियों के प्रतिरोधकता रखने वाला बैक्टीरिया है, जो एक से अधिक एंटी बायोटिक के प्रयोग के पश्चात् भी जीवित रहता है।
2. इसे नई दिल्ली मैटलो-बीटा-लैक्टामेज भी कहते हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

6. 'कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

(a) हाल ही में इसका अनावरण भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा किया गया।
(b) इस योजना के लिए एशियाई बैंक और भारत सरकार 50:50 के अनुपात में निधि मुहैया कराएंगे।
(c) कृषि, बागवानी, मत्स्यपालन और वानिकी के लिए चार वर्षों वाली डिग्री को एक व्यावसायिक डिग्री की मान्यता दी गयी है।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

7. 'वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इस संस्था द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक देश है।
2. चीन विश्व में सर्वाधिक स्टील उत्पादन करने वाला देश है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

नोट : 25-27 जनवरी को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(b), 2(c), 3(b), 4(a), 5(c), 6(c) होगा।

GS World Committed To Excellence